CENTRAL LIBRARY NEWS CLIPPING SERVICE I.U, LUCKNOW

November 8, 2023

दैनिक जागरण

PAGE-5

● इंटीग्रल विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह, विश्वविद्यालय परिसर, सुबह 10 :30 बजे

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-5

दीक्षांत समारोह : दीक्षांत समारोह, इंट्रीगल विश्वविद्यालय कुर्सी रोड, सुबह 10 :30 बजे।

NBT नवभारत टाइम्स

PAGE-5

● दीक्षांत समारोह, सुबह 10:30 बजे व ऑल इण्डिया मुशायरा, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, शाम 4 बजे

अमर उजाला

PAGE-3

सुबह 10:30 बजे इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौजूद रहेंगे।

CENTRAL LIBRARY NEWS CLIPPING SERVICE I.U, LUCKNOW

November 7, 2023

www.roznamasahara.com @RoznamaRSahara @RoznamaRSahara
نئی دہلی • ممبئی • کولکاتا • لکھنؤ • گورکھپور • کانپور • پٹنہ • حیدرآباد • اور بنگلورو سے ایک ساتھ
روزنامہ راشٹریہ
سہارا
ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

PAGE-5

انٹیگرل یونیورسٹی میں تقریب تقسیم اسناد و کل ہند مشاعرہ کل

لکھنؤ (ایس این بی) انٹیگرل یونیورسٹی میں سالانہ تقریب تقسیم اسناد 8 نومبر بروز بدھ صبح 10:30 بجے سے یونیورسٹی کے سبزہ زار پر ہوگی جس میں بطور مہمان خصوصی اتر پردیش اسمبلی کے اسپیکر ستیش مہانا، بطور مخصوص مہمان نائب وزیر اعلیٰ برجیش پاٹھک اور بطور مہمان اعزازی ریاستی وزیر برائے مالیات و پارلیمانی امور سریش کھنہ شرکت کریں گے۔ اس کے علاوہ نیشنل ایکریڈیٹیشن بورڈ فار ہاسپٹلس اینڈ ہیلتھ کیئر پروڈکٹس (این اے بی ایچ) نئی دہلی اور وائس چانسلر گرو گوبند سنگھ اندر پرستھ یونیورسٹی نئی دہلی بھی مہمان کی حیثیت سے شریک ہوں گے۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت نے ایک ریلیز میں بتایا کہ صدارت چانسلر پروفیسر سید وسیم اختر کریں گے۔ تقریب تقسیم اسناد کے بعد شام انٹیگرل کے تحت شام 4 بجے آل انڈیا مشاعرہ ہوگا جس میں پروفیسر وسیم بریلوی، منظر بھوپالی، ابرار کاشف، فرحت احساس، حامد بھساولی، کاوش ردولوی، قمر سرور، نغمہ نور، ڈاکٹر ہری اوم (آئی اے ایس)، نواز دیوبندی، فاخر ادیب، اظہر اقبال، فوزیہ رباب، سجاد جھنجھٹ، جہاز دیوبندی اور وقار فرازی وغیرہ شرکت کریں گے۔

November 9, 2023

www.roznamasahara.com @RoznamaRSahara @RoznamaRSahara

نئی دہلی ممبئی کولکاتا لکھنؤ گورکھپور کانپور پٹنہ حیدرآباد اور بنگلورو سے ایک ساتھ

روزنامہ راشٹریہ سہارا

ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

PAGE-5

انٹیگرل یونیورسٹی کی 15 ویں تقریب تقسیم اسناد

برجیش پاٹھک و ڈاکٹر سرکار ڈی لٹ کی اعزازی ڈگری سے سرفراز

لکھنؤ (ایس این بی)

انٹیگرل یونیورسٹی کی 15 وین تقریب تقسیم اسناد یونیورسٹی میں ہوئی۔ تقریب کا آغاز یونیورسٹی کے ترانے سے ہوا۔ اس موقع پر پی ایچ ڈی کے 46، پی جی کے 931، یو جی کے 2207، ڈپلومہ کے 161 سمیت کل 3345 طلبہ وطالبات کو ڈگری سے نوازا گیا۔ ان کی حوصلہ افزائی کی گئی۔ اس موقع پر 96 گولڈ اور 97 سلور میڈل اپنے اپنے مضامین میں ٹاپ کرنے والے طلبہ کو دیے گئے۔ تقریب میں نائب وزیر اعلیٰ برجیش پاٹھک اور ڈاکٹر سبا ساچی سرکار کو بھی ڈی لٹ کی اعزازی ڈگری سے نوازا گیا۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت نے یونیورسٹی کی تعلیمی و دیگر سرگرمیوں پر رپورٹ پیش کی۔ مہمان اعزازی نائب وزیر اعلیٰ برجیش پاٹھک نے آن لائن خطاب کرتے ہوئے کہا کہ آج کا دن طالب علموں کے لئے خوشی اور افسوس کے ملے جلے جذبات کا دن ہوتا ہے۔ وہ یونیورسٹی سے اپنی تعلیم مکمل کرکے اور اسناد حاصل کرنے کیلئے خوشی محسوس کرتے ہیں اور اپنی آنکھوں میں روشن مستقبل سجائے ہوئے جاتے ہیں لیکن اپنے مادر علمی، اساتذہ اور ہم درس ساتھیوں سے جدا ہورہے ہیں۔ اس موقع پر مہمان خصوصی یوپی اسمبلی کے اسپیکر ستیش مہانا، یونیورسٹی کے چانسلر پروفیسر سید وسیم اختر نے طلباء کو مبارکباد پیش کی اور ان کے روشن وتابناک مستقبل کیلئے دعا دی۔ تقریب میں وائس چانسلر گرو گوبند سنگھ اندر پرست یونیورسٹی دہلی پروفیسر مہیش ورما نے بھی خطاب کیا۔ تقریب تقسیم اسناد کے بعد چار بجے سے مشاعرہ بھی ہوا جس میں پروفیسر وسیم بریلوی، ڈاکٹر نواز دیوبندی، منظر بھوپالی، ابرار کاشف، سجاد جھنجھٹ، فوزیہ رباب سمیت متعدد شعراء نے کلام پیش کیا۔ مشاعرہ کی صدارت ڈاکٹر عمار رضوی نے کی۔

روزنامہ آگ
اخبار آپ کا
URDU DAILY AAG LUCKNOW

PAGE-4

آپ اپنے مستقبل کے آرکیٹیکٹ بنیں: ستیش ماہانہ

انٹیگرل یونیورسٹی کا 15 واں جلسہ تقسیم اسناد

لکھنؤ (نامہ نگار) جس طرح کی شبیہ ہوتی ہے اسی طرح آپ کی زندگی کی راہ بھی بنتی چلی جاتی ہے۔ ایسا کچھ کریں جس سے سماج میں آپ کی الگ پہچان بنے اور والدین اور استاد کا احترام ہو۔ یہ بات بدھ کو انٹیگرل یونیورسٹی میں منعقدہ 15 ویں کانوکیشن کو خطاب کرتے ہوئے اترپردیش اسمبلی صدر ستیش ماہانہ نے کہی۔ انہوں نے کہا تعلیم مکمل ہونے تک طلباء و طالبات اپنی حدود میں بندھے ہوئے تھے۔ اس لئے آج یہ حد ختم ہو رہی ہے۔ اس لئے آپ اپنے مستقبل کی تعمیر خود کرنے کا کام کریں۔

انہوں نے طلباء و طالبات سے کہا کہ جو بھی کام کریں وہ مکمل پہلے سے منصوبہ بند ہو۔ تبھی کامیابی ملے گی۔ انہوں نے کہا اب تک آپ کے والدین اور استاد نے آپ کو دینے کا کام کیا ہے لیا کچھ بھی نہیں۔ مگر اب وہ وقت آیا ہے کہ جب آپ کو انہیں کچھ دینا ہے۔ نئے سفر میں کئی لوگ ملیں گے مگر اپنی منزل پر چلتے رہنا ہے۔

انہوں نے کہا کہ آج بہت اہم موقع ہے۔ آپ اپنے مستقبل کے آرکیٹیکٹ بنیں۔ انہوں نے طلباء و طالبات کو ایک نظم سنائی۔ مہمان خصوصی وزیر پارلیمانی امور سریش کھنا نے مستقبل کی نیک خواہشات دیتے ہوئے کہا کہ ترقی کیجئے اپنی اقدار کو نہ چھوڑیے۔ جو میڈیکل ڈگری لے کر سماجی خدمت میں اتر رہے ہیں ان کو اپنی شائستگی اور ماجزی کا خصوصی دھیان رکھنا ہوگا۔ ڈپٹی سی ایم برجیش پاٹھک نے آن لائن بھی طلباء و طالبات اور ٹیچر اور خاتون ٹیچروں کو اپنی نیک خواہشات دیں۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر سید وسیم اختر نے کہا کہ انٹیگرل یونیورسٹی نے نیک سے اے ریٹنگ حاصل کی ہے۔ اس کا سہرا یونیورسٹی کے سبھی ٹیچروں، ملازمین اور طلباء و طالبات کو جاتا ہے۔ اس سے پہلے پروگرام کی شروعات وائس چانسلر پروفیسر جاوید مشرف نے بھی مہمان خصوصی کا استقبال کرتے ہوئے یونیورسٹی کی کامیابیوں پر ایک رپورٹ پیش کی۔

اس کے علاوہ ان کی تعریف کی جنہوں نے کامیابی کے نئے ریکارڈ قائم کئے۔ پروگرام کے دوران 2023 میں یونیورسٹی میں 3100 گریجویٹ 931 پوسٹ گریجویٹ، 140 ڈاکٹریٹ، 108 گولڈ تمغہ فاتح اور 109 سلور میڈل جیتنے والوں کو ڈگری دی گئی۔ پروگرام میں یونیورسٹی کے نیوزلیٹر 2023 کے تاب کشائی کے ساتھ انٹیگرل یونیورسٹی کا یوم تاسیس بھی منایا گیا۔

November 9, 2023

قومی مقام

روزنامہ

لکھنو

Urdu Daily KAUMIMUKAM ,Lucknow

PAGE-5

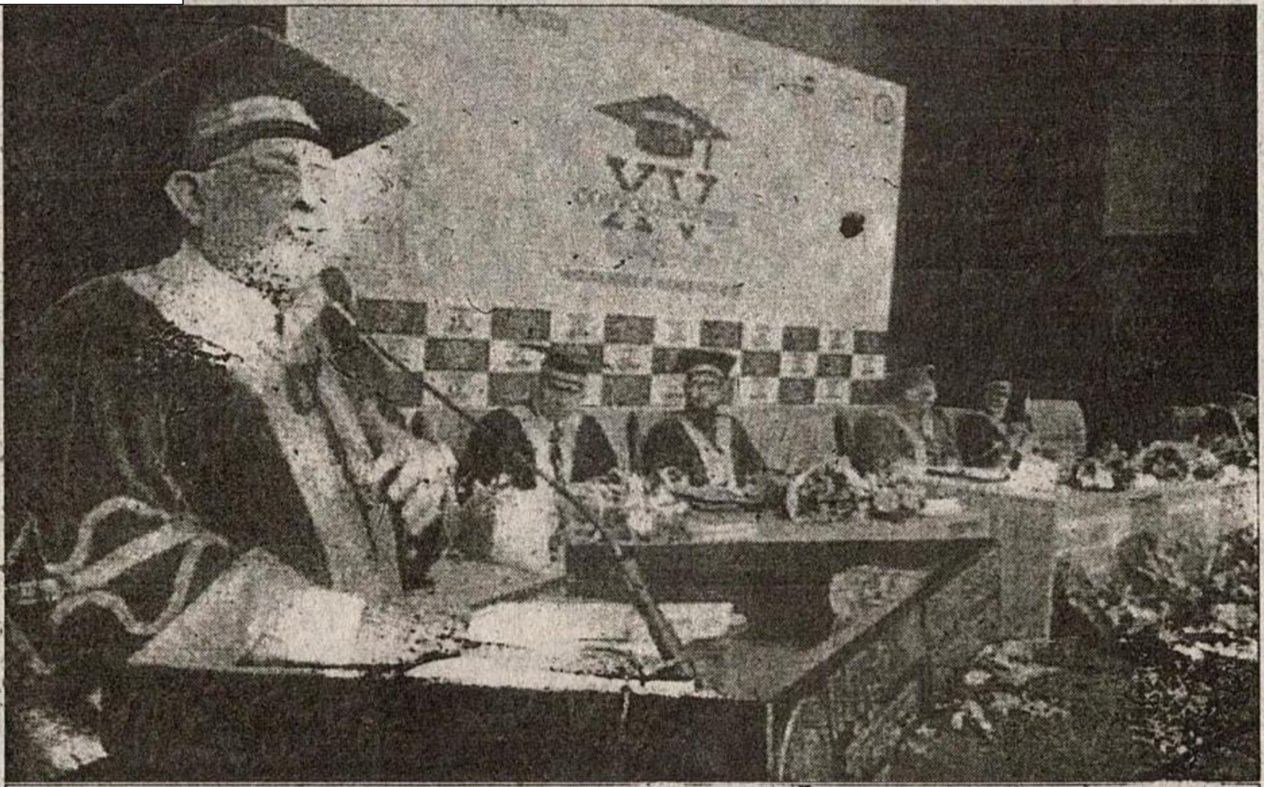

لرسی ورڈ واقع انٹیگرل یونیورسٹی ـ ـ اسناد پرو ـ ـ ے خطاب کرتے ہوئے

November 9, 2023

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
स्वतंत्र भारत
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

PAGE-3

चरित्र में लगा दाग डिलीट नहीं किया जा सकता : महाना

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जिस तरह का चरित्र होता है उसी तरह की जीवन की राह भी बनती चली जाती हैं। ऐसा कुछ करें जिससे समाज में आपकी अलग पहनान बनें तथा माता- पिता और गुरू का सम्मान बढें। उन्होंने कहा कि शिक्षा पूरी होने के पहले तक छात्र छात्राएं अपनी सीमाओं में बंधे हुए थे, लेकिन यह सीमाएं आज खत्म हो रही हैं। इसलिए अब आप अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने का काम करें। यह बातें राजधानी लखनऊ की एक शिक्षण संस्था के दीक्षांत समारोह के अवसर पर महाना ने छात्र छात्राओं से कहा कि जो भी कार्य करें वह पूर्व नियोजित हो। तभी सफलता मिलेगी। यह भी कहा कि अब तक आपके माता पिता और गुरू ने आप सबको देने का ही काम किया है लिया कुछ भी नहीं, लेकिन अब वह समय आया है जब आपको उन्हें कुछ देना है। नए सफर में कई लोग मिलेंगे, लेकिन अपनी मंजिल पर चलते रहना है। उन्होंने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। आप अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बने। इससे पहले आप सभी ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय में बिताये हैं हमें वह करना है। जो हम अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं आप वैसा व्यवहार करें जैसा जनता आपसे चाहती है।

November 9, 2023

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

PAGE-4

मृदुभाषी हों व समय की महत्ता समझें छात्र : सतीश महाना

लखनऊ (एसएनबी)। गुडंबा रोड स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि विस अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को मृदु भाषी होने की सलाह देते हुए समय की महत्ता को भी समझाया। विवि के कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर ने कहा कि विश्वविद्यालय ने ए प्लस रेटिंग प्राप्त की है।

विशिष्ठ अतिथि बृजेश पाठक उपमुख्य मंत्री ने वर्चअल कांफ्रेंस के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर अग्रसर है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विशिष्ठ अतिथि सुरेश खन्ना, वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि यहाँ के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है और प्रतिबद्धता और नेतृत्व के साथ वे सभी अपना योगदान दे रहे है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पदमश्री प्रो. महेश शर्मा ने छात्रों और शिक्षकों को उनकी प्रतिबद्धता और योगदान के लिए बधाई दी और उन्हें समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

November 9, 2023

दैनिक जागरण

Published from LUCKNOW • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

inext DYNAMIC EDITION

PAGE-4

डॉ. सरकार मानद उपाधि से सम्मानित

LUCKNOW (8 Nov): इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि सतीश महाना, स्पीकर यूपी विधानसभा और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के वसीम अख्तर द्वारा डॉ. सव्या साची सरकार को मानद डी-लिट से सम्मानित किया गया. इस दौरान विशिष्ट अतिथि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, सुरेश कुमार खन्ना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और पद्मश्री प्रो. महेश शर्मा, अध्यक्ष एनएबीएच नई दिल्ली और कुलपति गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे.

November 9, 2023

दैनिक जागरण

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

PAGE-8

मेधावियों को 108 स्वर्ण पदक, उप मुख्यमंत्री को डी.लिट की मानद उपाधि

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षा समारोह में पदक और डिग्री के साथ छात्र- छात्राएं ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंटीग्रल विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में पदक और उपाधि पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे पर खुशी दिखी। समारोह में 108 मेधावियों को स्वर्ण पदक, 109 को रजत पदक दिया गया। स्नातक में 3100, परास्नातक में 931, पी.एच.डी में 140 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पदमश्री डा. सव्यसाची सरकार को डी.लिट. की मानद उपाधि दी गई। उप मुख्यमंत्री आनलाइन जुड़े।

समारोह में मुख्य अतिथि विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विद्यार्थियों को मृदुभाषी होने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर अग्रसर है। अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों में अपार क्षमता है। वह हर क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

गुरु गोविंद सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री महेश शर्मा ने विद्यार्थियों को समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर ने बताया कि विश्वविद्यालय नैक में ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। कुलपति प्रो. जावेद मुस्सर्रत ने सभी का स्वागत किया। प्रतिकुलाधिपति प्रो. सैय्यद नदीम अख्तर ने भी संबोधित किया। कुलसचिव प्रो. हरिस सिद्दकी ने सभी का धन्यवाद किया।

November 9, 2023

NBT
नवभारत टाइम्स
Page-10

PAGE-10

108 छात्रों को मिले गोल्ड मेडल

इंटीग्रल विवि के दीक्षांत समारोह में 4171 छात्रों को मिली डिग्री

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर आगे है। लगातार यूपी के चिकित्सा संस्थान प्रगति की ओर से बढ़ रहे हैं। यह बात उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इंटीग्रल विवि के दीक्षांत समारोह के पर कही। समारोह में 108 छात्रों को गोल्ड, 109 को सिल्वर मेडल दिया गया। 4171 छात्रों को डिग्री दी गई। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व पद्मश्री डॉ सभ्य साची सरकार को डीलिट की मानद उपाधि दी गई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, एनएबीएच चेयरपर्सन महेश शर्मा, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, चांसलर एसडब्ल्यू अख्तर वीसी, जावेद मुसर्रत भी मौजूद रहे।

समारोह में 108 स्टूडेंट्स को सिल्वर मेडल दिए गए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व डॉ. सभ्य साची सरकार को डी लिट् की मानद उपाधि दी गई।

शायरों के कलाम से सजी शाम: दीक्षांत समारोह के मौके पर शाम को मुशायरा भी हुआ। वसीम बरेलवी, मंजर भोपाली, नवाज देवबंदी, जहाज देवबंदी ने शाम को यादगार बना दिया। डॉ. हरिओम, अबरार काशिफ, सज्जाद झंझटी, फरहत अहसास, अजहर इकबाल समेत कई शायरों ने भी कलाम पेश किए।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी आज़मगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

PAGE-3

कुछ सीखने के लिए अच्छा श्रोता बनना आवश्यक होता है :सतीश महाना

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जिस तरह का चरित्र होता है उसी तरह की जीवन की राह भी बनती चली जाती हैं। ऐसा कुछ करें जिससे समाज में आपकी अलग पहचान बनें तथा माता पिता और गुरू का सम्मान बढें। श्री महाना ने कहा कि शिक्षा पूरी होने के पहले तक छात्र छात्राएं अपनी सीमाओं में बंधे हुए थे लेकिन यह सीमाएं आज खत्म हो रही हैं। इसलिए अब आप अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने का काम करें। यह बातें राजधानी लखनऊ की इंटीग्रिल यूनीवर्सिटी में आयोजित 15वें दीक्षांत समारोह के दौरान सतीश महाना ने छात्र छात्राओं से कहा कि जो भी कार्य करें वह पूर्व नियोजित हो। तभी सफलता मिलेगी। यह भी कहा कि अब तक आपके माता पिता ओर गुरू ने आप सबको देने का ही काम किया है लिया कुछ भी नहीं, लेकिन अब वह समय आया है जब आपको उन्हे कुछ देना है। नए सफर में कई लोग मिलेंगे लेकिन अपनी मंजिल पर चलते रहना है। उन्होंने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। आप अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बने। इससे पहले आप सभी ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय में बिताये हैं हमें वह करना है। जो हम अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं आप वैसा व्यवहार करें जैसा जनता आपसे चाहती है। आपने अपने जीवन के लिए क्या प्लान किए हैं उस रूप अपना आचरण एवं व्यवहार बनाएं। आप अपनी दिनचर्या को ठीक करते हुए दूसरे दिन का प्लान बनाएं समय बाध्यता के साथ उसे पर अमल करें तो आपको सफल होने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है। ऊर्जा के साथ कार्य करें एक कविता कही गई है। कोई चला पद चिह्नों पर कोई पद चिह्न बनाता है, बस वही सूरमा वीर पुरुष दुनिया में पूजा जाता है। श्री महाना ने कहा कि कुछ सीखने के लिए अच्छा श्रोता बनना आवश्यक होता है। जो अच्छा श्रोता होगा वही अच्छा वक्ता भी बन सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जो शिक्षा अब तक हासिल की है उसे क्रियान्वित करने का भी काम करे। साथ ही आचार व्यवहार का भी पूरा ख्याल रखें तभी समाज में सम्मान मिलेगा। उन्होंने छात्र छात्राओं को उदाहरण देते हुए कहा कि मोबाइल फोन में ह्यसेल्फीह्न खराब आने पर उसे डिलीट किया जा सकता है लेकिन चरित्र में दाग लगने पर उसे डिलीट नहीं किया जा सकता है। समाज से कुछ लेने का नहीं बल्कि उसे देने का काम करें। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तरक्की कीजिए पर अपने संस्कारों को न छोड़िए। इसके साथ ही अहंकार न होने पर अहंकार कीजिए। श्री खन्ना ने कहा कि जो मेडिकल डिग्री लेकर समाज सेवा में उतर रहें है उनको अपनी शालीनता और नम्रता का विशेष ध्यान रखना होगा। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि एवं डिप्टी सीएम ी ब्रजेश पाठक ने आनलाइन सम्बोधित करते हुए सभी छात्र छात्रओं और अध्यापक अध्यापिकाओं को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर यूनीवर्सिटी के संस्थापक एवं चांसलर वसीम अख्तर रजिस्ट्रार प्रो मोहम्मद हैरिस सिद्दीकी तथा वाइस चांसलर जावेद मुसर्रत ने भी सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सतीश महाना एवं अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

November 9, 2023

इन्क़िलाबी नज़र
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 9 नवम्बर 2023

PAGE-2

आप खुद अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बनें : सतीश महाना

इंटीग्रल विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान करते विस अध्यक्ष सतीश महाना

लखनऊ (सं)। जिस तरह का चरित्र होता है उसी तरह की जीवन की राह भी बनती चली जाती हैं। ऐसा कुछ करें जिससे समाज में आपकी अलग पहचान बनें तथा माता पिता और गुरु का सम्मान हो। यह बात बुधवार को इंटीग्रल विश्वविद्यालय में आयोजित 15वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा पूरी होने के पहले तक छात्र छात्राएं अपनी सीमाओं में बंधे हुए थे लेकिन यह सीमाएं आज खत्म हो रही हैं। इसलिए अब आप अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने का काम करें। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि जो भी कार्य करें वह पूर्व नियोजित हो। तभी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब तक आपके माता पिता और गुरु ने आप सबको देने का ही काम किया है लिया कुछ भी नहीं, लेकिन अब वह समय आया है जब आपको उन्हे कुछ देना है। नए सफर में कई लोग मिलेंगे लेकिन अपनी मंजिल पर चलते रहना है। उन्होंने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। आप अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बने। उन्होंने छात्र-छात्राओं को एक कविता सुनाई, कोई चलता पद चिन्हों पर कोई पदचिह्न बनाता है, बस वही सूरमा वीर पुरुष दुनिया में पूजा जाता है। विशिष्ट अतिथि एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तरक्की कीजिए पर अपने संस्कारों को न छोड़िए। जो मेडिकल डिग्री लेकर समाज सेवा में उतर रहे है उनको अपनी शालीनता और नम्रता का विशेष ध्यान रखना होगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आनलाइन सभी छात्र छात्राओं और अध्यापक अध्यापिकाओं को अपनी शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय के प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर ने कहा कि इंटीग्रल विश्वविद्यालय ने नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) से ए+ रेटिंग प्राप्त की है, इसका श्रेय विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को जाता है। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रोफेसर जावेद मुस्सर्रत ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर एक रिपोर्ट पेश की। इसके अलावा उनकी प्रशंसा की जिन्होंने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किये। समारोह के दौरान 2023 में विश्वविद्यालय से 3100 स्नातक, 931 स्नातकोत्तर, 140 डॉक्टरेट, 108 स्वर्ण पदक विजेता और 109 रजत पदक विजेताओं को डिग्रियां प्रदान की गयी। समारोह में यूनिवर्सिटी के न्यूजलेटर 2023 के विमोचन के साथ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

November 9, 2023

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी 10:42 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

वर्ष 33, अंक 282, पृष्ठ 16, मूल्यः 5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE-4

विश्वविद्यालय शिक्षा और समाज के विकास का सेतु : महाना

इंटीग्रल विवि में विधान सभा अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री का संबोधन, ब्रजेश पाठक सहित अन्य को मिली मानक उपाधि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इंटीग्रल विवि में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान सभा अध्यक्ष रहे। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री थे। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री के अलावा अन्य ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत विवि के कुलपति प्रोफेसर जावेद मुस्सरंत ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दीक्षांत समारोह में कहा कि विवि द्वारा शिक्षा और समाज के विकास में महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को मृदुभाषी होने की सलाह देते हुए समय की महत्ता को भी समझाया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर अग्रसर है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विशिष्ट अतिथि व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यहां के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है और प्रतिबद्धता और नेतृत्व के साथ वे सभी अपना योगदान दे रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर महेश शर्मा ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की सशक्त भावना की प्रशंसा की। दीक्षांत समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं पद्मश्री डॉ. सभ्य साची सरकार को डी लिट् की मानद उपाधि भी प्रदान की गई। समारोह को प्रति कुलाधिपति प्रोफेसर सैय्यद नदीम अख्तर ने सम्बोधित करते हुए आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अपनी मातृ संस्था का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में यूनिवर्सिटी के न्यूजलेटर 2023 के विमोचन के साथ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कृत करते हुए प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए।

दीक्षांत समारोह में पुरस्कृत छात्र। अमृत विचार

दीक्षांत समारोह

• वित्त मंत्री ने छात्र और शिक्षक की प्रतिभाओं का किया उल्लेख

मुशायरे का आयोजन

कार्यक्रम के बाद शाम को अखिल भारतीय मुशायरा का आयोजन हुआ। वसीम बरेलवी, मंजर भोपाली, डॉ. हरिओम, नवाज देवबंदी, अजहर इकबाल, फौजिया रबाब, नगमा नूर, फरहत एहसास, हामिद भुसालवी, कविश रुडोलवी, कमर सुरूर, अबरार काशिफ, फाखिर अदीब, सज्जाद झंझट, जहाज देवबंदी सहित अन्य शायरों ने अपने कलाम पेश किये।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-5

इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत में 3345 विद्यार्थियों को उपाधियां मिलीं, आयोजन में हुए मुशायरे में शायरों ने समां बांधा

छात्र अपने भविष्य को खुद संवारना सीखें : महाना

समारोह

लखनऊ, संवाददाता। छात्र अपने भविष्य के आर्किटेक्ट खुद बनें। अपनी दिनचर्या को ठीक करते हुए दूसरे दिन का प्लान बनाएं। समय बाध्यता के साथ उस पर अमल करें तो आपको सफल होने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है। यह बातें विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। वह बुधवार को इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहे। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विद्यार्थियों को समय के महत्व को समझना चाहिए। जो शिक्षा के दौरान समय का सदुपयोग करता उसका भविष्य संवर जाता है। शिक्षण संस्थानों का समाज को गति देने में एक अहम स्थान होता है।

दीक्षांत में विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री महेश शर्मा रहे। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर अग्रसर है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इंटीग्रल के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है। जिससे राष्ट्र के नव निर्माण में सहायता मिलेगी। जबकि पद्मश्री महेश शर्मा ने छात्रों को समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर, कुलपति प्रो. जावेद मुस्सर्रत, कुलसचिव प्रो. हरिस सिद्दीकी समेत अन्य मौजूद रहे।

इंटीग्रल विवि के दीक्षांत में बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना अतिथि रहे।

3345 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि, माज रहे विवि टॉपर

दीक्षांत समारोह में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 96 विद्यार्थियों को स्वर्ण व 97 को रजत पदक पहनाकर सम्मानित किया। इसके अलावा 2207 स्नातक, 931 स्नातकोत्तर, 46 शोधार्थी और 161 डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उपाधियां भी प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र मोहम्मद माज को विवि में टॉप करने पर स्वर्ण पदक दिया गया। दीक्षांत समारोह में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पद्मश्री डॉक्टर सभ्यसाची सरकार को डी लिट् की मानद उपाधि प्रदान की गई।

वतनपरस्ती से भरे कलाम ने जीता दिल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। तालियों की गड़गड़ाहट और हिंदुस्तान ज़िंदाबाद के नारे लगते रहे और मशहूर शायर मंजर भोपाली वतन से मोहब्बत के कलाम सुनाते रहे। कोई तुझसे जुदा कर सके ये किसी तौर पर मुमकिन नही, तेरी मिट्टी हिन्दुस्तान में जज्ब है नमी की तरह..मंजर भोपाली ने जब ये कलाम सुनाया तो सिर्फ तालियों का शोर और वतन की मोहब्बत महसूस की जा सकती थी। इंटीग्रल यूनिवर्सटी में आल इंडिया मुशायरा शाम-ए-इंटीग्रल में देर रात तक मुशायरे की समां रोशन रही। नामी और नौजवान शायरों ने अपनी शेरो-शायरी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपना कायल बना लिया।

दिए जलाओ कि दुनिया में रोशनी कम है: मुशायरे में यूं तो दर्जन भर शायर मौजूद थे लेकिन हर दिल अजीज वसीम बरेलवी और मंजर भोपाली का सबको इंतजार था। मंजर भोपाली ने जब माइक संभाला तो फरमाइशों का दौर शुरू हो गया। मंजर ने हर किसी को ताकीद करते हुए खुद सुधर जाइये तो बेहतर है, ये मत समझिए कि दुनिया सुधरने वाली है सुना कर दुनियावी दस्तूर से रूबरू कराने की कामयाब कोशिश की। इसके साथ ही उम्मीद जगाने वाले शेर मोहब्बतों के चरागों की जिंदगी कम है, दिए जलाओ के दुनिया मे रोशनी कम है को सुनाया तो खूब वाहवाही मिली। तो वहीं ये कैसा कर्ज है नफरत का कम नही होता, ये बढ़ता जाता है जितना चुकाया जाता है कलाम पेश कर नफ़रत से दूर रहने की हिदायत की। इसके अलावा उन्होंने अपने गीत फिर से अपने भारत को गुलिस्ता बनाना है, फिर हमें अंधेरों में मशालें जलाना है, साथ चलना है , सबको ये बताना है वेरी नाइस इंडियां, वेरी नाइस इंडिया। इसके साथ ही शायर ने अपनी गीता में, कुरान में घर जलाना इबादत नही, इनकी आयतों, श्लोक में प्यार मिलता है नफरत नही, धर्म की किताबें तो इल्म का खजाना है, गीत साथ ही ये धरती सोने का कंगन, ये धरती चांदी का दर्पण, ये धरती मस्जिद का आंगन, ये धरती संतो का चंदन, ये किसने शूल बो दिए सुनाकर नई पीढ़ी पर गहरी छाप छोड़ी।

इंटीग्रल विवि के दीक्षांत में मुशायरे का आयोजन हुआ। जिसमें शायरों ने कलाम पढ़ा।

रात तो वक्त की पाबंद है

मुशायरे में सर्द होती रात में जब मशहूर शायर वसीम बरेलवी आये तो उन्होंने अपने कलामो से दिलो में गर्माहिट भर दी। तालियों से इस्तकबाल के बाद वसीम बरेलवी ने रात तो वक्त की पाबंद है ढल जाएगी, देखना ये है चरागों का सफर कितना है शेर से युवा दिलों की धड़कनों को छूने की कोशिश की। वहीं गुमान करने वालो को आइना दिखाते हुए उन्होंने एड़ियों पर ही चलो अपनी खड़े हो जाओ, मुझसे कुछ देर को होते हो बड़े, हो जाओ शेर सुनाया। साहित्यकार व कवि आईएएस डॉ हरिओम ने आंखों में इकरार नहीं है, कह दो हमसे प्यार नहीं है, इश्क इबादत इश्क जुनूं है, कोई कारोबार नहीं से वाहवाही लूटी।

November 9, 2023

वॉयस ऑफ लखनऊ

7, अंक 304, पेज 12, 2.00 रुपये www.facebook.com/voicepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

PAGE-2

जैसा चरित्र होगा, वैसी ही बनेगी जीवन की राह : सतीश महाना

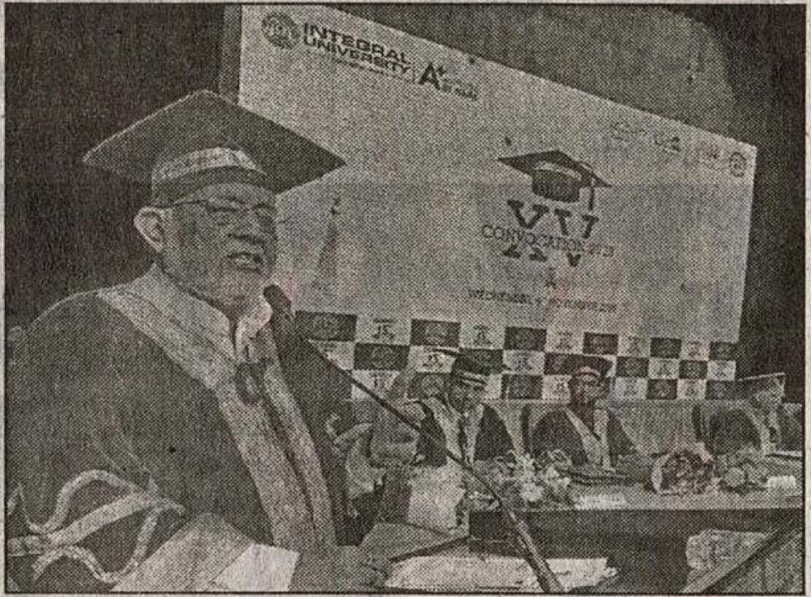

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जिस तरह का चरित्र होता है उसी तरह की जीवन की राह भी बनती चली जाती हैं। ऐसा कुछ करें जिससे समाज में आपकी अलग पहचान बनें तथा माता पिता और गुरू का सम्मान बढें। महाना ने कहा कि शिक्षा पूरी होने के पहले तक छात्र छात्राएं अपनी सीमाओं में बंधे हुए थे लेकिन यह सीमाएं आज खत्म हो रही हैं। इसलिए अब आप अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने का काम करें।

- **तरक्की कीजिए पर अपने संस्कारों को न छोड़िए : खन्ना**

यह बातें राजधानी लखनऊ की इंटीग्रिल यूनिवर्सिटी में आयोजित 15वें दीक्षांत समारोह के दौरान सतीश महाना ने छात्र छात्राओं से कहा कि जो भी कार्य करें वह पूर्व नियोजित हो। तभी सफलता मिलेगी। यह भी कहा कि अब तक आपके माता पिता ओर गुरू ने आप सबको देने का ही काम किया है लिया कुछ भी नहीं, लेकिन अब वह समय आया है जब आपको उन्हे कुछ देना है। नए सफर में कई लोग मिलेंगे लेकिन अपनी मंजिल पर चलते रहना है। उन्होंने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। आप अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बने। इससे पहले आप सभी ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय में बिताये हैं हमें वह करना है। जो हम अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं आप वैसा व्यवहार करें जैसा जनता आपसे चाहती है। आपने अपने जीवन के लिए क्या प्लांन किए हैं उस रूप अपना आचरण एवं व्यवहार बनाएं। आप अपनी दिनचर्या को ठीक करते हुए दूसरे दिन का प्लान बनाएं समय बाध्यता के साथ उसे पर अमल करें तो आपको सफल होने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है। ऊर्जा के साथ कार्य करें एक कविता कही गई है। 'कोई चला पद चिन्हों पर कोई पद चिह्न बनाता है, बस वही सूरमा वीर पुरुष दुनिया में पूजा जाता है।'

महाना ने कहा कि कुछ सीखने के लिए अच्छा श्रोता बनना आवश्यक होता है। जो अच्छा श्रोता होगा वही अच्छा वक्ता भी बन सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जो शिक्षा अब तक हासिल की है उसे क्रियान्वित करने का भी काम करे। साथ ही आचार व्यवहार का भी पूरा ख्याल रखें तभी समाज में सम्मान मिलेगा। उन्होंने छात्र छात्राओं को उदाहरण देते हुए कहा कि मोबाइल फोन में 'सेल्फी' खराब आने पर उसे डिलीट किया जा सकता है लेकिन चरित्र में दाग लगने पर उसे डिलीट नहीं किया जा सकता है। समाज से कुछ लेने का नहीं बल्कि उसे देने का काम करें। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तरक्की कीजिए पर अपने संस्कारों को न छोड़िए। इसके साथ ही अहंकार न होने पर अहंकार कीजिए। खन्ना ने कहा कि जो मेडिकल डिग्री लेकर समाज सेवा में उतर रहे है उनको अपनी शालीनता और नम्रता का विशेष ध्यान रखना होगा।

November 9, 2023

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
०, लखनऊ

PAGE-3

इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत में 3345 विद्यार्थियों को उपाधियां मिलीं, आयोजन में हुए मुशायरे में शायरों ने समां बांधा

छात्र अपने भविष्य को खुद संवारना सीखें : महाना

समारोह

लखनऊ, संवाददाता। छात्र अपने भविष्य के आर्किटेक्ट खुद बनें। अपनी दिनचर्या को ठीक करते हुए दूसरे दिन का प्लान बनाएं। समय बाध्यता के साथ उस पर अमल करें तो आपको सफल होने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है। यह बातें विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। वह बुधवार को इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहे। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विद्यार्थियों को समय के महत्व को समझना चाहिए। जो शिक्षा के दौरान समय का सदुपयोग करता उसका भविष्य संवर जाता है। शिक्षण संस्थानों का समाज को गति देने में एक अहम स्थान होता है।

दीक्षांत में विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री महेश शर्मा रहे। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की ओर अग्रसर है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इंटीग्रल के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है। जिससे राष्ट्र के नव निर्माण में सहायता मिलेगी। जबकि पद्मश्री महेश शर्मा ने छात्रों को समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर, कुलपति प्रो. जावेद मुस्सर्रत, कुलसचिव प्रो. हरिस सिद्दीकी समेत अन्य मौजूद रहे।

इंटीग्रल विवि के दीक्षांत में बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना अतिथि रहे।

3345 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि, माज रहे विवि टॉपर

दीक्षांत समारोह में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 96 विद्यार्थियों को स्वर्ण व 97 को रजत पदक पहनाकर सम्मानित किया। इसके अलावा 2207 स्नातक, 931 स्नातकोत्तर, 46 शोधार्थी और 161 डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उपाधियां भी प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र मोहम्मद माज को विवि में टॉप करने पर स्वर्ण पदक दिया गया। दीक्षांत समारोह में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पद्मश्री डॉक्टर सभ्यसाची सरकार को डी लिट् की मानद उपाधि प्रदान की गई।

वतनपरस्ती से भरे कलाम ने जीता दिल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। तालियों की गड़गड़ाहट और हिंदुस्तान ज़िंदाबाद के नारे लगते रहे और मशहूर शायर मंजर भोपाली वतन से मोहब्बत के कलाम सुनाते रहे। कोई तुझसे जुदा कर सके ये किसी तौर पर मुमकिन नही, तेरी मिट्टी हिन्दुस्तान में जज्ब है नमी की तरह..मंजर भोपाली ने जब ये कलाम सुनाया तो सिर्फ तालियों का शोर और वतन की मोहब्बत महसूस की जा सकती थी। इंटीग्रल यूनिवर्सटी में आल इंडिया मुशायरा शाम-ए-इंटीग्रल में देर रात तक मुशायरे की समां रोशन रही। नामी और नौजवान शायरों ने अपनी शेरो-शायरी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपना कायल बना लिया।

दिए जलाओ कि दुनिया में रोशनी कम है: मुशायरे में यूं तो दर्जन भर शायर मौजूद थे लेकिन हर दिल अजीज वसीम बरेलवी और मंजर भोपाली का सबको इंतजार था। मंजर भोपाली ने जब माइक संभाला तो फरमाइशों का दौर शुरू हो गया। मंजर ने हर किसी को ताकीद करते हुए खुद सुधर जाइये तो बेहतर है, ये मत समझिए कि दुनिया सुधरने वाली है सुना कर दुनियावी दस्तूर से रूबरू कराने की कामयाब कोशिश की। इसके साथ ही उम्मीद जगाने वाले शेर मोहब्बतों के चरागों की जिंदगी कम है, दिए जलाओ के दुनिया मे रोशनी कम है को सुनाया तो खूब वाहवाही मिली। तो वहीं ये कैसा कर्ज है नफरत का कम नही होता, ये बढ़ता जाता है जितना चुकाया जाता है कलाम पेश कर नफरत से दूर रहने की हिदायत की। इसके अलावा उन्होंने अपने गीत फिर से अपने भारत को गुलिस्ता बनाना है, फिर हमें अंधेरों में मशालें जलाना है, साथ चलना है , सबको ये बताना है वेरी नाइस इंडिया, वेरी नाइस इंडिया। इसके साथ ही शायर ने अपनी गीता में, कुरान में घर जलाना इबादत नही, इनकी आयतों, श्लोक में प्यार मिलता है नफरत नही, धर्म की किताबें तो इल्म का खजाना है, गीत साथ ही ये धरती सोने का कंगन, ये धरती चांदी का दर्पण, ये धरती मस्जिद का आंगन, ये धरती संतो का चंदन, ये किसने शूल बो दिए सुनाकर नई पीढ़ी पर गहरी छाप छोड़ी।

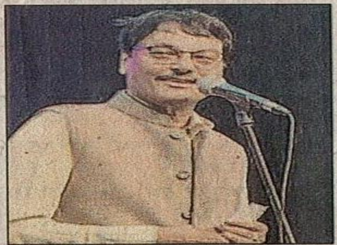

इंटीग्रल विवि के दीक्षांत में मुशायरे का आयोजन हुआ। जिसमें शायरों ने कलाम पढ़ा।

रात तो वक्त की पाबंद है

मुशायरे में सर्द होती रात में जब मशहूर शायर वसीम बरेलवी आये तो उन्होंने अपने कलामो से दिलो में गर्माहट भर दी। तालियों से इस्तकबाल के बाद वसीम बरेलवी ने रात तो वक्त की पाबंद है ढल जाएगी, देखना ये है चरागों का सफर कितना है शेर से युवा दिलों की धड़कनों को छूने की कोशिश की। वहीं गुमान करने वालो को आइना दिखाते हुए उन्होंने एड़ियों पर ही चलो अपनी खड़े हो जाओ, मुझसे कुछ देर को होते हो बड़े, हो जाओ शेर सुनाया। साहित्यकार व कवि आईएएस डॉ हरिओम ने आंखों में इकरार नहीं है, कह दो हमसे प्यार नहीं है, इश्क इबादत इश्क जुनूं है, कोई कारोबार नहीं से वाहवाही लूटी।

आज

PAGE-4

अपने भविष्य के खुद बनें आर्किटेक्ट-महाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जिस तरह का चरित्र होता है उसी तरह की जीवन की राह बनती चली जाती हैं। ऐसा कुछ करें जिससे समाज में आपकी अलग पहनान बनें तथा माता पिता और गुरू का सम्मान बढें। श्री महाना ने कहा कि शिक्षा पूरी होने के पहले तक छात्र छात्राएं अपनी सीमाओं में बंधे हुए थे लेकिन यह सीमाएं आज खत्म हो रही हैं। अब आप अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने का काम करें। यह बातें राजधानी लखनऊ की इंटीग्रिल यूनीवर्सिटी में आयोजित 15वें दीक्षांत समारोह के दौरान सतीश महाना ने छात्र छात्राओं से कही। उन्होंने कहा, जो भी कार्य करें वह पूर्व नियोजित हो। तभी सफलता मिलेगी। यह भी कहा कि अब तक आपके माता पिता ओर गुरू ने आप सबको देने का ही काम किया है लिया कुछ भी नहीं, लेकिन अब वह समय आया है जब आपको उन्हे कुछ देना है। नए सफर में कई लोग मिलेंगे लेकिन अपनी मंजिल पर चलते रहना है। उन्होंने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। आप अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बने। इससे पहले आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय में बिताये हैं हमें वह करना है। जो हम अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं आप वैसा व्यवहार करें जैसा जनता आपसे चाहती है। आपने अपने जीवन के लिए क्या प्लान किए हैं उस रूप अपना आचरण एवं व्यवहार बनाएं। आप अपनी दिनचर्या को ठीक करते हुए दूसरे दिन का प्लान

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पहुँचे विधानसभा अध्यक्ष

बनाएं समय बाध्यता के साथ उसे पर अमल करें तो आपको सफल होने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है। ऊर्जा के साथ कार्य करें एक कविता कही गई है। कोई चला पद चिह्नों पर कोई पद चिह्न बनाता है, बस वही सूरमा वीर पुरुष दुनिया में पूजा जाता है। श्री महाना ने कहा कि कुछ सीखने के लिए अच्छा श्रोता बनना आवश्यक होता है। जो अच्छा श्रोता होगा वही अच्छा वक्ता भी बन सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जो शिक्षा अब तक हासिल की है उसे क्रियान्वित करने का भी काम करे। आचार व्यवहार का भी पूरा ख्याल रखें तभी समाज में सम्मान मिलेगा। उन्होंने छात्र छात्राओं को उदाहरण देते हुए कहा कि मोबाइल फोन में 'सेल्फी' खराब आने पर उसे डिलीट किया जा सकता है लेकिन चरित्र में दाग लगने पर उसे डिलीट नहीं किया जा सकता है। समाज से कुछ लेने का नहीं बल्कि उसे देने का काम करें। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तरक्की कीजिए पर अपने संस्कारों को न छोड़िए। इसके साथ ही अहंकार न होने पर अहंकार कीजिए। श्री खन्ना ने कहा कि जो मेडिकल डिग्री लेकर समाज सेवा में उतर रहे है उनको अपनी शालीनता और नम्रता का विशेष ध्यान रखना होगा। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि एवं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आनलाइन सम्बोधित करते हुए सभी छात्र छात्रओं और अध्यापक अध्यापिकाओं को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर यूनीवर्सिटी के संस्थापक एवं चांसलर वसीम अख्तर रजिस्ट्रार प्रो मोहम्मद हैरिस सिद्दीकी तथा वाइस चांसलर जावेद मुसर्रत ने भी सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सतीश महाना एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को पद्मश्री प्रो महेश वर्मा ने भी सम्बोधित किया।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते मंत्री सुरेश खन्ना। छाया-आज

शिया कालेज में लैक्मे एकेडमी की ओर से कैरियर काउंसलिंग प्रोगाम आयोजित

लखनऊ। शिया महाविद्यालय में लैक्मे पावर्ड कैरियर काउंसलिंग कर रही प्रो0 जर्रीन जहग्रा रिजवी इंचार्ज (गर्ल्स सेक्शन) ने अपने

एएनएम के 5873 संविदा

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन यू
एएनएम के संविदा वाले रिक्त पदों
लिस्ट किया गया है। एनएचएम की
अनुसार इन अभ्यर्थियों का परीक्षा परि
सूची राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन यूपी के

November 9, 2023

अमर उजाला

PAGE My City-5

मेधा को मिला सम्मान तो खिल उठे चेहरे

इंटीग्रल विवि के 15वें दीक्षांत समारोह में स्पीकर सतीश महाना ने 197 मेधावियों को दिए पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। कुर्सी रोड स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में बुधवार को मेधावी छात्र-छात्राओं को जब मेहनत का इनाम मिला तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 96 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 97 को रजत पदक देकर सम्मानित किया। 46 शोध छात्रों, 931 परास्नातक, 2207 स्नातक व 161 डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं।

3345 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

सतीश महाना ने छात्र-छात्राओं से कहा कि जो छात्र समय का सदुपयोग करता उसका भविष्य संवर जाता है। विशिष्ट अतिथि संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यहां के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है। कुलपति गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी पद्मश्री महेश शर्मा ने छात्रों को समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में विवि के न्यूजलेटर 2023 के विमोचन के साथ स्थापना दिवस भी मनाया गया। कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर, कुलपति प्रो. जावेद मुस्सरत, कुलसचिव प्रो. हरिस सिद्दीकी व सभी विभागों के डीन और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में डिग्री पाकर खुशी मनाते छात्र-छात्राएं। संवाद

पाठक व साची सरकार को डीलिट

लखनऊ। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक नहीं पहुंच सके लेकिन वे ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़े। इस दौरान दीक्षांत समारोह में उन्हें और पद्मश्री डॉ. सभ्य साची सरकार को डीलिट की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। संवाद

ये रहे विवि के टॉपर

दीक्षांत समारोह में कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र मोहम्मद माज को विवि में टॉप करने पर स्वर्ण पदक दिया गया। वहीं बायो इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा अनम खान को रजत पदक दिया गया।

शेर-ओ-शायरी से सजी शाम

समारोह समापन पर देर शाम जश्न-ए-इंटीग्रल में मशहूर शायर वसीम बरेलवी, मंजर भोपाली, आईएएस डॉ. हरिओम ने अपनी रचनाएं पढ़ीं तो सभागार तालियों से गूंजता रहा। मंजर भोपाली पढ़ा- यहां गुनाह हवा के छिपाए जाते हैं, चिराग खुद नहीं बुझते बुझाए जाते हैं। अबरार कासिफ ने पढ़ा - अब कहां दर्द दिल की दवा चाहिए, मुझे आपसे सिर्फ वफा चाहिए। काविश रुदौलवी ने पढ़ा- तेरी यादों का हर एक नक्श मिटा जाता है। शायरी की महफिल में अबरार कासिफ, काविश रुदौलवी, नगमा नूर कमर सुरूर, जहाज देवबंदी, वकार फराजी ने भी अपने कलाम पेश किए।

November 9, 2023

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-4

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा चांसलर सै. वसीम अख्तर ने डॉ. सब्य साची सरकार को डीलिट की उपाधि भेंट की।

November 11, 2023

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-4

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा चांसलर सै. वसीम अख्तर ने डॉ. सब्य साची सरकार को डीलिट की उपाधि भेंट की।

November 22, 2023

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-4

गोमतीनगर स्थित हिन्दुस्तान अखबार के कार्यालय में मंगलवार को विजेता प्रतिभागियों को बुलाकर समारोह पूर्वक उपहार में मोबाइल दिए गए तो सभी के चेहरे खिल उठे और उन्होंने हिन्दुस्तान के इस प्रयास की सराहना की।

November 22, 2023

'हिन्दुस्तान' फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स के भाग्यशाली विजेताओं को विभूतिखंड स्थित कार्यालय में बुलाकर दिए गए मोबाइल फोन

स्मार्टफोन पाकर खुशी से खिले पाठकों के चेहरे

जीतो गिफ्ट हर रोज

लखनऊ, संवाददाता। 'हिन्दुस्तान' के फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स 'रोज जीतो स्मार्टफोन; रोज मनाओ त्योहार' में उत्साह के साथ हिस्सा लेकर कॉन्टेस्ट जीतने वाले भाग्यशाली पाठकों को मंगलवार को स्मार्टफोन मिला तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। कॉन्टेस्ट के अंतिम चरण में तीन नवम्बर से 10 नवम्बर तक के फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स में हिस्सा लेकर लकी ड्रॉ के जरिए विजेता बने पाठकों को समारोह पूर्वक स्मार्टफोन प्रदान किए गए।

गोमतीनगर, विभूति खंड स्थित 'हिन्दुस्तान' कार्यालय में आयोजित समारोह में इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एसएम फौजान अख्तर और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंक्यूबेसन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निदा अख्तर ने विजेता पाठकों को स्मार्टफोन प्रदान किए।

हिन्दुस्तान के फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स में जीते प्रतिभागी को गिफ्ट में मोबाइल देते मुख्य अतिथि डॉ. फैजल अख्तर व डॉ. निदा अख्तर।

'हिन्दुस्तान' फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स कॉन्टेस्ट 12 अक्टूबर से शुरू होकर 10 नवम्बर तक चला। इसके तहत रोज 'हिन्दुस्तान' के पाठकों से आसान से सवाल पूछे गए। हजारों की संख्या में पाठकों ने हर दिन फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स कॉन्टेस्ट के क्यूआर कोड को स्कैन कर सवालों के जवाब दिए। सॉफ्टवेयर पर व्हील को घुमा कर लकी ड्रॉ के जरिए सही जवाब देने वाले दो पाठकों का हर दिन चुनाव किया गया। अभी तक दो चरणों में 12 अक्तूबर से लेकर दो नवम्बर तक के विजेताओं को स्मार्टफोन दिए जा चुके थे। मंगलवार को अंतिम चरण में तीन से 10 नवम्बर तक के विजेताओं को स्मार्टफोन प्रदान किए गए। स्मार्टफोन पाकर सभी विजेताओं ने खुशी जताई और 'हिन्दुस्तान' अखबार का आभार जताया।

03 से 10 नवम्बर तक के विजेताओं को मिले स्मार्टफोन

12 अक्तूबर से 10 नवम्बर तक चला फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स कॉन्टेस्ट

स्मार्टफोन जीतने वाले भाग्यशाली विजेता

प्रियंका कनौजिया, अर्चना शर्मा, अनु शर्मा, अमित यादव, अजय कुमार मिश्रा, उपेन्द्र कुमार मेहरोत्रा, अंशु चन्द्र अग्रवाल, आसू वर्मा, देवेश सिंह, मोहम्मद जावेद अंसारी, सुनील कुमार व वंदना (12 अक्टूबर की विजेता) को मंगलवार स्मार्टफोन प्रदान किया गया। वहीं पांच अन्य विजेता किसी कारणवश नहीं आ सके।

30 नवम्बर तक ले सकते हैं अपना पुरस्कार

'हिन्दुस्तान' फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स के तहत जिन भाग्यशाली विजेताओं ने किसी कारणवश अभी तक अपना स्मार्टफोन प्राप्त नहीं किया है वह 30 नवम्बर तक इसे प्राप्त कर सकते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने के लिए विजेताओं को स्वयं किसी भी कार्यदिवस पर गोमती नगर, विभूति खंड स्थित 'हिन्दुस्तान' अखबार के कार्यालय में आना होगा। कांटेस्ट के विजेताओं को अपने साथ अपना आईडी प्रूफ आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-4

पढ़ने की आदत डालें तो बुलंदियों तक पहुंचेंगे

- पढ़ने से लोगों में नैतिक मूल्य विकसित होते हैं
- वितेजाओं को एसएम फौजान ने बधाई दी

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एसएम फौजान अख्तर ने विजेता पाठकों को बधाई देते हुए उन्हें भाग्यशाली होने के साथ ही सबसे बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि अगर आप पढ़ने की आदत डालेंगे तो यकीनन बुलंदियों तक पहुंचेंगे। आज के दौर में लोगों में पढ़ने की आदत बहुत कम हो गई है। जब तक इंसान पढ़ता नहीं है तब तक उसके अंदर क्या सही, क्या गलत है व नैतिक मूल्यों की सोच विकसित नहीं होती।

उन्होंने कहा कि 'हिन्दुस्तान' अखबार के चाहने वालों की संख्या बहुत है और इस तरह की एक्टिविटी 'हिन्दुस्तान' वक्त- वक्त पर कराता रहेगा तो यह संख्या बढ़ती ही जाएगी। न सिर्फ देश में बल्कि दुनिया भर में नाम रोशन होगा। उन्होंने विजेता पाठकों को बधाई देते हुए कहा कि आप लोगों में अखबार पढ़ने का जोश और जज्बा देख कर मैं बहुत खुश हूं , हम सभी को इसी तरह से अखबार पढ़ने की आदत डालनी चाहिए।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंक्यूबेसन एंड एंटरप्रेनेयोरशिप डेवलपमेंट की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निदा अख्तर ने विजेताओं को 'हिन्दुस्तान' का वफादार पाठक करार दिया। उन्होंने लोगों से अखबार पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हमारा ज्ञान बढ़ेगा तभी हम देश और समाज की सेवा कर पाएंगे।

روزنامہ آگ

URDU DAILY AAG LUCKNOW

PAGE-3

حقوق کی حفاظت کے لئے قانون سے واقفیت ضروری: مولانا عتیق بستوی

یوم آئین کی مناسبت سے ''آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار'' کے عنوان سے سمپوزیم کا انعقاد

لکھنؤ۔(پریس ریلیز) مسلمانوں نے قانون کی طرف زیادہ توجہ نہیں دی، اگر ہمارے پاس اچھے وکلاء اور قانون داں تیار نہیں ہوں گے تو ہمارے حقوق محفوظ نہیں رہ سکیں گے، ان خیالات کا اظہار مولانا عتیق احمد بستوی سکریٹری مجلس تحقیقات شرعیہ ندوۃ العلماء نے یوم آئین کی مناسبت سے منعقد ہونے والے پروگرام میں خطاب کرتے ہوئے کیا، ندوۃ العلماء کے علمی وتحقیقی شعبہ مجلس تحقیقات شرعیہ کی جانب سے یوم آئین کی مناسبت سے ''آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار'' کے عنوان سے ایک سمپوزیم کا انعقاد کیا گیا جس کی صدارت کرتے ہوئے مولانا عتیق احمد بستوی نے کہا کہ مدارس کے فارغین جو اسلامی شریعت اور خاص طور پر فقہ اسلامی کو پڑھ چکے ہوتے ہیں ان کے لئے قانون کو پڑھنا اور سمجھنا مشکل نہیں ہوسکتا، اسلامی شریعت میں انصاف کے تقاضوں کو پورا کرنے کی جتنی صلاحیت ہے وہ دنیا کے کسی قانون میں نہیں ہے، مولانا نے مزید کہا کہ ملک کے دستور سے ہمارے علماء کو خاص طور پر واقف ہونا چاہئے، یہ دستور کن حالات میں تیار ہوا اور کن مراحل سے گزر کر تیار ہوا اس کی تاریخ سے بھی واقف ہونا ضروری ہے۔ پروفیسر عشرت حسین عابدی سابق پرنسپل شیعہ کالج نے ندوہ میں قانون کی تعلیم پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ عموماً مسلم معاشرہ میں قانون کی طرف توجہ نہیں دی جاتی، ایسے میں ندوۃ العلماء نے اس جانب توجہ دی ہے، یہ بہت بڑی بات ہے، انہوں نے کہا کہ اگر ہم باوقار زندگی گزارنا چاہتے ہیں تو ہمیں ان علوم سے آراستہ ہونا پڑے گا جن کی آج بڑی ضرورت ہے، انہوں نے آئین کی ترتیب کے حوالہ سے تفصیلی گفتگو کرتے ہوئے بتایا کہ آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کی زندگی کے حالات کا عکس ہمیں اس آئین میں نظر آتا ہے۔

سابق پی سی ایس آفیسر جمال احمد نے پروگرام کو خطاب کرتے ہوئے کہا کہ مدارس کے فارغین جب قانون سے واقف ہوں گے تب وہ صرف مسلمانوں کی رہنمائی نہیں کریں گے بلکہ پورے ملک کی رہنمائی کریں گے، اس لحاظ سے یہ کورس بہت ضروری ہے، انہوں نے مزید کہا کہ قانون کی بیداری ہر گھر میں ہونی چاہیے، قانون کی حفاظت صرف دوسروں کی ذمہ داری نہیں بلکہ مسلمانوں کی بھی ذمہ داری ہے، اس موقع پر انہوں نے مدارس کے طلبہ کے لئے قانونی بیداری، صلاحیتوں کے فروغ اور اسکل کے فروغ سے متعلق مفید مشورے دئے۔ انٹگرل یونیورسیٹی کے شعبہ قانون کے ڈین پروفیسر نسیم احمد جعفری نے اپنے خیالات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ آئین تیار کرنے والوں میں دو طرح کے افراد سب سے نمایاں تھے، ایک جو باہر سے قانون پڑھ کر آئے تھے یعنی بیرسٹر، اور دوسرے جو مدارس سے پڑھے ہوئے تھے، انہوں نے مزید کہا کہ قانون بنانے والی کمیٹی میں شامل غیر مسلم دانشوران کی ایک بڑی تعداد وہ تھی جن کی تعلیم مدرسوں میں ہوئی تھی، انہوں نے خاص طور پر مولانا ابوالکلام آزاد کا حوالہ دیتے ہوئے کہا کہ مولانا آزاد کو قانون کا جو شعور اور فہم حاصل تھا وہ کم لوگوں کو تھا، مگر مولانا آزاد کی پوری تعلیم مدرسہ کی تھی، اس لحاظ سے دیکھا جائے تو آئین کا مدرسوں سے خاص ربط ہے، انہوں نے طلبہ کو مخاطب کرتے ہوئے مزید کہا کہ صلاحیت ضروری ہے، صلاحیت روایتی طریقوں سے حاصل کی جائے یا غیر روایتی طریقوں سے، اگر صلاحیت آپ کے اندر ہے تو سماج میں آپ کی قدر ہوگی۔ اس پر موقع پر لیگل لٹریسی پروگرام کے منتخب طلباء نے آئین ہند کی تاریخ اور اس کی خصوصیات پر اپنے مقالات پیش کئے، عبادالحق نے دستور ہند کا تعارف کرایا، عثمان صدیقی نے دستور ہند اور انسانی حقوق کے موضوع پر، شہباز پرویز نے دستور ہند اور بنیادی حقوق کے موضوع پر، طلحہ عزیز نے دستور ہند اور اقلیتوں کے حقوق کے موضوع پر، عبدالرحمن مسلم نے دستور ہند کی امتیازی خصوصیات کے موضوع پر، طیب خاں نے دستور ہند کی مسودہ ساز کمیٹی کی چھ نمایاں شخصیات پر اور رحمت اللہ نے آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیرمین ڈاکٹر امبیڈکر پر اپنے مقالات پیش کئے، قانون کے ماہرین نے ان مقالات کی بڑی تحسین کی۔ پروگرام کے آغاز میں مولانا منور سلطان ندوی نے دارالعلوم ندوۃ العلماء میں آئین کی تعلیم وتفہیم سے متعلق ہونے والی کوششوں کا تعارف کرایا، اس پروگرام میں دارالعلوم کے اساتذہ کے ساتھ متعدد وکلاء شریک ہوئے۔

CENTRAL LIBRARY NEWS CLIPPING SERVICE I.U, LUCKNOW

November 29, 2023

انقلاب
THE INQUILAB
قوموں کی حیات ان کے تخیل پہ ہے موقوف (اقبال)

PAGE-2

حقوق کے تحفظ کیلئے قانون سے واقفیت ضروری

ندوۃ العلماء میں یوم آئین کی مناسبت سے 'آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار' عنوان سے سمپوزیم کا انعقاد

لکھنؤ (آئی این این): مسلمانوں نے قانون کی طرف زیادہ توجہ نہیں دی، اگر ہمارے پاس اچھے وکلاء اور قانونداں تیار نہیں ہوں گے تو ہمارے حقوق محفوظ نہیں رہ سکیں گے۔ ان خیالات کا اظہار مولانا عتیق احمد بستوی سکریٹری مجلس تحقیقات شرعیہ ندوۃ العلماء نے یوم آئین کی مناسبت سے منعقد پروگرام میں کیا۔ ندوۃ العلماء کے علمی وتحقیقی شعبہ مجلس تحقیقات شرعیہ کی جانب سے یوم آئین کی مناسبت سے 'آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار' عنوان سے ایک سمپوزیم کا انعقاد کیا گیا، جس میں شیعہ کالج کے سابق پرنسپل پروفیسر عشرت حسین عابدی، انٹیگرل یونیورسیٹی کے شعبہ قانون کے ڈین پروفیسر نسیم احمد جعفری اور ریٹائرڈ پی سی ایس افسر جمال احمد نے بطور مقرر شرکت کی۔

مولانا عتیق احمد بستوی نے پروگرام کی صدارت کرتے ہوئے کہا کہ مدارس کے فارغین جو اسلامی شریعت اور خاص طور پر فقہ اسلامی کو پڑھ چکے ہوتے ہیں، ان کیلئے قانون کو پڑھنا اور سمجھنا مشکل نہیں ہوسکتا۔ اسلامی شریعت میں انصاف کے تقاضوں کو پورا کرنے کی جتنی صلاحیت ہے وہ دنیا کے کسی قانون میں نہیں ہے۔ انہوں نے کہا کہ ملک کے دستور سے ہمارے علماء کو خاص طور پر واقف ہونا چاہئے، یہ دستور کن حالات میں تیار ہوا اور کن مراحل سے گزر کر تیار ہوا۔ اسکی تاریخ سے بھی واقف ضروری ہے۔

اس موقع پر پروفیسر عشرت حسین عابدی نے ندوہ میں قانون کی تعلیم پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ عموماً مسلم معاشرہ میں قانون کی طرف توجہ نہیں دی جاتی ہے، ایسے میں ندوۃ العلماء نے توجہ دی ہے، یہ بہت بڑی بات ہے، انہوں نے کہا کہ اگر ہم باوقار زندگی گزارنا چاہتے ہیں تو ہمیں ان علوم سے آراستہ ہونا پڑے گا، جنکی آج بڑی ضرورت ہے۔ انہوں نے آئین کی ترتیب پر گفتگو کرتے ہوئے بتایا کہ آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کی زندگی کے حالات کا عکس ہمیں اس آئین میں نظر آتا ہے۔

سابق پی سی ایس افسر جمال احمد نے کہا کہ مدارس کے فارغین جب قانون سے واقف ہوں گے تب وہ صرف مسلمانوں کی رہنمائی نہیں کریں گے بلکہ پورے ملک کی رہنمائی کریں گے، اس لحاظ سے یہ کورس بہت ضروری ہے۔ انہوں نے مدارس کے طلبہ کیلئے قانونی بیداری، صلاحیتوں کے فروغ اور اسکل فروغ سے متعلق مفید مشورے دیئے۔

جبکہ انٹیگرل یونیورسیٹی کے شعبہ قانون کے ڈین پروفیسر نسیم احمد جعفری نے کہا کہ آئین تیار کرنے والوں میں دو طرح کے افراد سب سے نمایاں تھے، ایک جو باہر سے قانون پڑھ کر آئے تھے یعنی بیرسٹر اور دوسرے جو مدارس سے پڑھے تھے۔

انہوں نے کہا کہ قانون بنانے والی کمیٹی میں شامل غیر مسلم دانشوران کی ایک بڑی تعداد وہ تھی جن کی تعلیم مدارس میں ہوئی تھی۔ انہوں نے خاص طور پر مولانا ابوالکلام آزاد کا حوالہ دیتے ہوئے کہا کہ مولانا آزاد کو قانون کا جو شعور اور فہم حاصل تھا وہ کم لوگوں کو تھا، مگر مولانا آزاد کی پوری تعلیم مدرسہ کی تھی، اس لحاظ سے دیکھا جائے تو آئین کا مدارس سے خاص ربط ہے۔ انہوں نے کہا کہ صلاحیت ضروری ہے، اگر صلاحیت آپکے اندر ہے تو سماج میں آپ کی قدر ہوگی۔

خطاب کرتے ہوئے مولانا عتیق احمد بستوی (درمیان میں)

اس پر موقع پر لیگل لٹریسی پروگرام کے منتخب طلباء نے آئین ہند کی تاریخ اور اسکی خصوصیات پر اپنے مقالات پیش کئے۔ عبادالحق نے دستور ہند کا تعارف کرایا، عثمان صدیقی نے دستور ہند اور انسانی حقوق کے موضوع اور شہباز پرویز نے دستور ہند اور بنیادی حقوق کے موضوع پر، طلحہ عزیز نے دستور ہند اور اقلیتوں کے حقوق پر، عبدالرحمٰن مسلم نے دستور ہند کی امتیازی خصوصیات اور طیب خاں نے دستور ہند کی مسودہ ساز کمیٹی کی چھ نمایاں شخصیات پر اور رحمت اللہ نے آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر امبیڈکر پر اپنے مقالات پیش کئے۔ ماہرین قانون نے مقالات کی بڑی تحسین کی۔

پروگرام کے آغاز میں مولانا منور سلطان ندوی نے دارالعلوم ندوۃ العلماء میں آئین کی تعلیم وتفہیم سے متعلق ہونے والی کوششوں کا تعارف کرایا۔ پروگرام میں ندوۃ العلماء کے اساتذہ، وکلاء اور تمام شعبوں کے طلبہ شریک ہوئے۔

www.roznamasahara.com @RoznamaRSahara @RoznamaRSahara

نئی دہلی۔ممبئی۔کولکاتا۔لکھنؤ۔گورکھپور۔کانپور۔پٹنہ۔حیدرآباد۔اور بنگلورو سے ایک ساتھ

روزنامہ راشٹریہ سہارا

ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

PAGE-2

آئینِ ہند کا اہلِ مدارس سے خاص تعلق: پروفیسر نسیم احمد جعفری

دارالعلوم ندوۃ العلماء میں 'آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار' کے عنوان سے سمپوزیم

لکھنؤ(پریس ریلیز) مسلمانوں نے قانون کی طرف زیادہ توجہ نہیں دی، اگر ہمارے پاس اچھے وکلاء اور قانون داں تیار نہیں ہوں گے تو ہمارے حقوق محفوظ نہیں رہ سکیں گے۔ان خیالات کا اظہار مولانا عتیق احمد بستوی سکریٹری مجلس تحقیقات شرعیہ ندوۃ العلماء نے کیا۔ندوۃ العلماء کے علمی وتحقیقی شعبہ مجلس تحقیقات شرعیہ کی جانب سے 'آئین سے واقفیت وآگہی کے فروغ میں مدارس کا کردار' کے عنوان سے سمپوزیم کا انعقاد کیا گیا۔پروگرام کی صدارت کرتے ہوئے مولانا عتیق احمد بستوی نے کہا کہ مدارس کے فارغین جو اسلامی شریعت اور خاص طور پر فقہ اسلامی کو پڑھ چکے ہوتے ہیں ان کے لئے قانون کو پڑھنا اور سمجھنا مشکل نہیں۔

پروفیسر عشرت حسین عابدی(سابق پرنسپل شیعہ کالج) نے ندوہ میں قانون کی تعلیم پر اپنی مسرت کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ عموماً مسلم معاشرہ میں قانون کی طرف توجہ نہیں دی جاتی ہے، ایسے میں ندوۃ العلماء نے اس جانب توجہ دی ہے، یہ بہت بڑی بات ہے۔انھوں نے بتایا کہ آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کی زندگی کے حالات کا عکس ہمیں اس آئین میں نظر آتا ہے۔

سابق پی سی ایس افسر جمال احمد نے کہا کہ مدارس کے فارغین جب قانون سے واقف ہوں گے تب وہ صرف مسلمانوں کی رہنمائی نہیں کریں گے بلکہ پورے ملک کی رہنمائی کریں گے۔انھوں نے کہا کہ قانون کی بیداری ہر گھر میں ہونی چاہئے، قانون کی حفاظت صرف دوسروں کی ذمہ داری نہیں بلکہ مسلمانوں کی بھی ذمہ داری ہے۔

انٹیگرل یونیورسیٹی کے شعبہ قانون کے ڈین پروفیسر نسیم احمد جعفری نے کہا کہ آئین تیار کرنے والوں میں دو طرح کے افراد سب سے نمایاں تھے، ایک جو باہر سے قانون پڑھ کر آئے تھے یعنی بیرسٹر اور دوسرے جو مدارس سے پڑھے ہوئے تھے۔انھوں نے کہا کہ قانون بنانے والی کمیٹی میں شامل غیر مسلم دانشوران کی ایک بڑی تعداد وہ تھی جن کی تعلیم مدرسوں میں ہوئی تھی، انھوں نے خاص طور پر مولانا ابوالکلام آزاد کا حوالہ دیتے ہوئے کہا کہ مولانا آزاد کو قانون کا جو شعور اور فہم حاصل تھا وہ کم لوگوں کو تھا، مولانا آزاد کی پوری تعلیم مدرسہ کی تھی، اس لحاظ سے دیکھا جائے تو آئین ہند کا اہل مدارس سے خاص تعلق ہے۔

اس پر موقع پر لیگل لٹریسی پروگرام کے منتخب طلباء نے آئین ہند کی تاریخ اور اس کی خصوصیات پر اپنے مقالات پیش کیے، عبادالحق نے دستور ہند کا تعارف کرایا، عثمان صدیقی نے دستور ہند اور انسانی حقوق کے موضوع پر، شہباز پرویز نے دستور ہند اور بنیادی حقوق کے موضوع پر، طلحہ عزیز نے دستور ہند اور اقلیتوں کے حقوق کے موضوع پر، عبدالرحمن مسلم نے دستور ہند کی امتیازی خصوصیات کے موضوع پر، طیب خاں نے دستور ہند کی مسودہ ساز کمیٹی کی چھ نمایاں شخصیات پر اور رحمت اللہ نے آئین کی مسودہ ساز کمیٹی کے چیئرمین ڈاکٹر امبیڈکر پر اپنے مقالات پیش کیے۔پروگرام کے آغاز میں مولانا منور سلطان ندوی نے دارالعلوم ندوۃ العلماء میں آئین کی تعلیم وتفہیم سے متعلق ہونے والی کوششوں کا تعارف کرایا۔